#### अपराजिता

Ex. यदनविभुजप्रतापकृतास्पदा

यदुनिचयचम्: परेरपराजिता ।

व्यज्यत समरे समस्तिरपुनमं

स जयति जगतां गतिगेरुडध्वमः॥

## प्रहरणकलिका

ननभनलगिति पहरणकलिका

Sch. 🔾 🔾 ८ | ८ ८ | १ ८ ४ | १ ८ ४ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८ | ४ ८

विरह्विपदि में शरणिमह तती मधुमथनगुणस्मरणमविरतम् ॥

### मंज्ञ री

(Also named प्रथ्या and बसुधा ) सजसा यलै गिति शरमहेर्मजरी

Ex. स्थायंत्यम् ज्ञामितचातकार्तस्वराः
जलहास्तिड् ुलितकांतकार्तस्वराः ।
जगतीरिह स्फुरितच रुचामीकराः
सवितः क्षत्रित्व रुचामीकराः ॥
'Sis. zv. 24.

प्रमश

( Also called करिंहना ) नजभजला गुरुष भवति प्रमदा Sch. UUU|UUU|UUU|UUU

Ex. अनितिचिरोिंदशतस्य जलदेविचर-स्थितवृतुदुवुदस्य पयसानुकृतिस् । विरलविकीर्णवज्ञशकला सकलास् वृह विद्धाति धौतकलधौतमही॥

Sis. 1v. 41.

### हंसइयेनी

( Also called कृटिला and मध्यक्षामा )
म्मी न्यो गी चेज्जलधिदशच हंमश्येनी
Sch. --- | - U U U U U U -- | --

Ex. नीतोच्छ्यं मुहुरशिशिररवमेरुकः
आनीलाभैविरचितपरभागा रत्नैः।
ज्योत्स्नाज्ञंकामिह वितरित हंसज्येनी
मध्येऽत्यहः स्फटिकरजतिनिच्छाय
Kir. v. 21,

15 Syllables in a verse ( अतिज्ञकरी ).

शशिकला

गुरुनिधनमनुल्छु।रेह शशिकला Sch. ८८८ । ८८८ | ८८८ | ८८८ | ८८८ -

Ex. मलयजितिककसमुदितश्चिक्तका वजयुत्रतिलसदिलकनगनगता। सरसिजनयनहृदयसिललिनिधि व्यतनुत्त विततरभसपीरतरुलम् ॥

## मालिमी

ननमयययुतेयं मिलनी भीगिलोकैः

Sch. 000 | 000 | --!- | 0-- (8.7

Ex. मृगमदकृतचर्चा पीतकी षंयवासा
हिचरिक्कि विशिष्ठ व स्वर्धिमक्किपाका ।
अनृजु निहितमसे वंशमु-काणयंती
धृतमश्चरिपुलीला मालिनी पातु राधा ॥
See Sis. xx.

# लीलाखेल

एकन्यूनी विगुन्मालापादी चेडीलाखेलः Sch. ---|---|---|---